Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-412

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Reappear Examination August – 2021

B.A. (with Yoga Science), Semester : Fourth
Sanskrit ; Paper : Second

संस्कृत–साहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. आचार्य जयदेव कृत "चन्द्रालोक" किस विषय पर आधारित है? पात्रों को आधार बनाकर कथा विस्तार समझाइए।
2. द्वा सुपर्णा के रचयिता तथा पूर्वभाग में उल्लिखित विषयों का वर्णन करें।
3. "तत्र श्लोकचतुष्टयम्" में कालिदास के भावों का व्याख्यान कीजिए।
4. भगवान् श्रीकृष्ण द्वारा उक्त "योगः कर्मसु कौशलम्"। इस संदर्भ की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
5. रघुवंश के द्वितीय सर्ग का कथा सार अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **छः** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(6×5=30)**

1. शोभा, अभिमान आदि के लक्षणों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
2. "उपमा कालिदासस्य" के अभिप्राय को प्रकट कीजिए।
3. ऋषि कण्व के उपदेशों की समालोचना कीजिए, जो शकुन्तला को कही थी।
4. "कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" का सारांश समझाइए।
5. "समाधिरर्थमहिमा" चन्द्रालोक के चतुर्थमयूखस्थ – इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
6. बुद्धिनाश कैसे प्रारम्भ होता है? श्लोक के माध्यम से व्याख्या करें।
7. रघुवंश में द्वितीय सर्ग के पात्रों का सम्बन्ध स्थापित करते हुए वर्णन कीजिए।
8. पुत्री शकुन्तला के प्रस्थान में ऋषि कण्व की क्या स्थिति होती है। सप्रसंग व्याख्या करें।

----------X----------